अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 168 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 18 सितम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव गंगाघाट बीते 2 दिनों में बारिश के चलते हैं नवीन गंगा पुल पर लगा भीषण जाम यातायात रहा अस्त–व्यस्त जाम से निजात दिलाने में नतमस्तक रहा यातायात पुलिस प्रशासन भीषण जाम की सूचना पर भी नहीं दिखा पुलिस प्रशासन।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना अंतर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों को टूलकिट एवं प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में ऋण का वितरण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए माननीय विधायक सदर श्री पंकज गुप्ता, जिला अधिकारी श्री रवींद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल।

सिंगाही खीरी। वनमाफियाओं के हौसले बुलंद, थाना क्षेत्र के सिंगाही कस्बे में हरियाली पर वन माफियाओं का बेशकीमती सागवान व अन्य पेड़ों पर अवैध तरीके से चलाया जा रहा है आरा। बगैर परमिट करीब 12 सागौन व अन्य के हरे भरे पेड़ों को अवैध तरीके से वन माफियाओं द्वारा रात के अंधेरे में चोरी से सागौन के पेड़ काट ले गए। पीड़ित ने सिंगाही पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।

लोकभवन में 11 हजार लाभार्थियों को 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' के ऋण वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले 3 महीने में प्रदेश के 75 हजार कारीगरों और शिल्पियों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन तीन माह में 75 हजार शिल्पियों को प्रशिक्षित कर इन्हें विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जोड़ते हुए स्वावलम्बन से जोड़ा जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव पर शिल्पियों और करीगरों के लिए यह सबसे बड़ा तोहफा होगा। मुख्यमंत्री ने यह बातें विश्वकर्मा दिवस के मौके पर शुक्रवार को 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के तहत 21,000 लाभार्थियों को टूलकिट और 11 हजार लाभार्थियों को 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजनांतर्गत ऋण वितरण करते हुए कहीं। लोकभवन में आयोजित मुख्य समारोह के साथ–साथ जिला मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 दिसम्बर 2018 में हमने प्रदेश में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का शुभारंभ किया, तब से परंपरागत हस्तशिल्पियों, कारीगरों को सम्मान देने, उनको स्वावलंबी बनाने और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का यह सिलसिला चलता आ रहा है। हस्तशिल्पियों ने योजनाओं का लाभ लेकर एक जनपद एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने रोजगार उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में हर व्यक्ति चिंता में था कि उत्तर प्रदेश का क्या होगा, लेकिन हमारे पारंपरिक कारीगरों, हस्तशिल्पियों ने मिलकर ऐसा तंत्र विकसित किया जिससे हर प्रवासी को शासन की योजनाओं से जुड़ने और प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का काम किया। आज बेरोजगारी की दर चार पांच फीसदी है। यह प्रसन्नता प्रदान करने वाला है। हमने दिसम्बर 2018 से 68 हजार, 412 से अधिक शिल्पियों को 100 करोड़ के उन्नत टूल किट वितरित किये हैं। सीएम ने कहा कि बहनें और माताएं यदि ठान लें तो उत्तर प्रदेश को रेडीमेड गारमेंट का हब बनाने में देरी नहीं लगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमें अपने परंपरागत उद्यम और कारीगरी को एक मंच देना ही होगा। उनको प्रशिक्षित कराएं। आज प्रदेश के 21 हजार से अधिक कारीगरों व हस्तशिल्पियों को टूलकिट वितरित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार अपने परंपरागत कारीगरों व उद्यमियों को स्वावलंबी बना रही है, जिससे वह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव के मोची, नाई, बढ़ई को मंच मिलना चाहिए। उन्हें सबल बनाना है। उन्हें उच्च प्रशिक्षण देकर तकनीकी से जोड़ना है और सर्टिफिकेट देकर साथ ही ट्रेनिंग के दौरान 250 रुपये प्रतिदिन प्रशिक्षण भत्ता देते हुए मजबूत बनाना है। उन्होंने बताया कि आज तक 1 लाख हस्तशिल्पियों को इस योजना से जोड़ा गया है, प्रशिक्षित करके टूलकिट उपलब्ध करवाए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले 3 महीनों में 75 हजार कारीगरों और हस्तशिल्पियों को टूल किट और ऋण उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने विभाग के मंत्रियों से कहा कि वो गांव–गांव में कारीगरों, हस्तशिल्पियों के यहां

पहुंचकर उनको प्रोत्साहित करने का भी काम करें। उन्होंने कहा कि हमें कारीगरों को सम्मान देना होगा , वे ही हमारी धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि आज इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए विभाग को और आपको धन्यवाद बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन के दिन से और सेवा के उनके 20 वर्ष के उपलक्ष्य में अगले 20 दिनों तक अलग अलग कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज दो महत्वपूर्ण दिन है एक तो विश्वकर्मा जी की जयंती और दूसरा दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन। प्रधानमंत्री जी के इस वर्ष 6 अक्टूबर को सेवा के 20 वर्ष के रूप में पूरे हो रहे हैं। मैं प्रदेश की जनता की तरफ से देश में जो उनकी ओर से की गई सेवाएं हैं उनके लिए हृदय से अभिनन्दन करता हूं। मोदी जी के प्रयास से जो खुशहाली आपके जीवन में प्रारंभ हुई है, देश–समाज को नई दिशा मिली है। उसको विकास के उत्सव में रूप में प्रदेश में 7 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। हुनरमंदों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को सम्मान देने वाले कार्यक्रम से इसकी शुरुआत की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में अयोध्या में दीपोत्सव के लिए 51 हजार दीप जुटाने के लिए हमें पूरे प्रदेश की खाक छाननी पड़ी थी। इस वर्ष हम साढ़े सात लाख दिए जलाने जा रहे हैं। हमने तकनीक से कारीगरों को जोड़ा तभी यह संभव हो पाया है। हमारे कारीगर लक्ष्मी गणेश की मूर्ति बनाना छोड़ दिया था। चीन जैसे नास्तिक देश मूर्तियां बनाने लगे। पिछली सरकारों ने चिंता नहीं की। आज हमारे कारीगर मूर्तियां बना रहे हैं। चीन से अच्छी, सुंदर, सस्ती और टिकाऊ। उन्हीं कारीगरों के चेहरों पर आज खुशहाली आ गयी है। एमएसएमई विभाग के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आर्थिक मॉडल ने प्रदेश को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने का काम किया है। बहुत कम लोगों को इसकी समझ है। पंडित दीनदयाल जी कह गये कि आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसको प्रदेश में पूरा करने का काम किया है। एक जनपद एक उत्पाद योजना ने उन गरीबों को जिनके पास हुनर है उनको आगे ले जाने का काम किया है। ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के होते हुए भी प्रदेश में 68412 लोगों ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से प्रशिक्षण लिया है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्यमंत्री की अभिनव सोच को आगे बढ़ाने का और 17 दिसम्बर को एक बड़ा आयोजन कर 75 हजार लोगों को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से प्रशिक्षण दिलाकर टूलकिट वितरित किये जाने का आश्वासन दिया।

विनायक ग्रामोद्योग संस्थान , लखनऊ द्वारा स्वास्थ जांच डिस्काउंट कार्ड का हुआ शुभारंभ

अवध की आवाज

लखनऊ। विनायक ग्रामोद्योग संस्थान लखनऊ में विगत 12 वर्षों से निरंतर निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने वाली सबसे बड़ी संस्था बन चुकी है। जहाँ एक तरफ संस्था ने लखनऊ में लाखों जनमानस की निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से सेवा की है। वही दिन प्रति दिन सैकड़ो डॉक्टर संस्था के कार्य से प्रभावित होकर अपनी चिकित्सकीय सेवाएं देते है। आम जनमानस से जुड़ाव होंने के कारण संस्था ने निर्णय लिया है कि अब सिर्फ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ही नही बल्कि लखनऊ वासियो को जब भी चिकित्सकीय सेवाओ की जरूरत पड़ेगी तो संस्था हमेशा उनके साथ है। इसी सेवा कार्य के अंतर्गत विनायक ग्रामोद्योग संस्थान दिनांक 17 सितंबर 2021 को माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर माननीय लखनऊ की प्रथम नागरिक महापौर सयुक्ता भाटिया जी ने स्वास्थ्य जांच डिस्काउंट कार्ड का शुभारंभ जे.सी.गेस्ट हाऊस निराला नगर निकट 8 नंबर चौराहा समय सायं 5 बजे से सायं 6 बजे तक उपस्थित होकर किया। इस अवसर पर डॉक्टर सूर्य कांत ,डॉक्टर उमंग खन्ना , आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान देवेंद्र

वर्मा जी , माननीय उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार महेंद्र भीष्म जी, फैमिली प्लाइनिग एसोसिएशन के शाखा प्रबंधक कमाल रिजवी जी ,भारतीय जनता पार्टी की महानगर मंत्री अनिता सिंह,लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.एन. शुक्ला,गोपेश्वर गऊ शाला मलिहाबाद के अभिषेक गुप्ता , गौ संवर्धन प्रमुख अवध छेत्र उमाकांत , फेसबुक लाइव के साथ कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित हुए जिसमें लखनऊ के पत्रकार साथी भी उपस्थित रहे। अधिक्ता समाज से सैकड़ो अधिक्ता व समाजसेवी उपस्थित हुए।इस अवसर पर सहयोगी संस्था जे.सी.फाउंडेशन के चौयरमैन अभिषेक अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया ,प्रभात फाउंडेशन व अनन्या फाउंडेशन ने सहयोग किया शिखा सिंह उपाध्यक्ष विनायक ग्रामोद्योग संस्थान ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग व योगदान दिया।

मौसम की भारी बारिश से गोंडा मुख्यालय , अस्पताल, स्कूल ,सरकारी कार्यालय, सड़क, तालाब में तब्दील

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। 3 दिनों से चल रही तेज हवाओं के बीच बुधवार की लगभग 12रू00 बजे रात से हुई बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है जिससे आम आदमी लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इस प्रकार से बारिश से जिला अस्पताल तालाब में तब्दील हो गया है पूरी प्रांगण में जलभराव हो गया है तो अंदर कमरों में भी छत से पानी टपकने से मशीनें खराब हो रही है । इस प्रकार से क्षेत्र के नदी , नालों से लेकर तालाबों, बावली सभी जगह पानी भरा हुआ है वहीं नाली नालों भर जाने से सड़क पर कचरा फैल गया है, जोकि इस प्रकार नगर परिषद की पोल खोल रहा है कचरा फैल जाने के कारण लोगों के आने जाने में बहुत ही परेशानियों का

सामना करना पड़ा है। इस प्रकार से बताते चलें कि पटेल नगर , स्टेशन रोड बाजार, चुंगी नाका, स्कूल ,श्री गांधी विद्यालय रेलवे इंटर कॉलेज के प्रांगण में भी पानी भर गया है। बारिश के साथ तेज हवाओं के चलने के कारण कई स्थानों पर पेड़ की शाखाएं टूट कर बिजली के खंभों पर गिर जाने से बिजली भी प्रभावित हुई है जिससे आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है । कई क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई हैं कई जगहों पर आंधी पानी में सड़क के किनारे लगे पेड़ों की टहनियां गिरने से आवागमन हो गया बाधित । निचले इलाकों में पानी भर जाने के कारण लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं कई मोहल्लों में बारिश का पानी भर जाने के कारण लोग को आने जाने में हो रहे हैं परेशान। नालिया कचरा से पटे होने के कारण बारिश के पानी का निकास नहीं हो पाने के कारण, इस कारण गंदगी ,कचरा नालियों से सड़कों पर फैल गया है ।इस प्रकार से अधिकांश घरों के सामने पानी का जमाव हो जाने के कारण उन्हें बाहर निकलने, आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर कई कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंड। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह ने पूरे गडरिया बस्ती में जाकर मीठा

व सामग्री गरीबों में किया वितरण और इस प्रकार से सभी लोगों से जाना हाल–चाल आगे बताते चलें कि इस अवसर पर उन्होंने लोगों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण क्षेत्र में सभी को आवास ,बिजली ,संपर्क मार्ग, फ्री में गैस कनेक्शन दिया है, इस प्रकार से बताते चलें कि ग्रामीण क्षेत्रों का माननीय प्रधानमंत्री जी ने सभी किसानों के लिए सम्मान निधि के माध्यम से उनके खाते में ध्2000 प्रति माह भेज कर इस कोरोना काल में किसानों की आय में वृद्धि की है । इस प्रकार से पूर्व ब्लाक प्रमुख जी ने कहा कि गरीबों की इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड वह श्रमिकों के लिए श्रम मंत्रालय द्वारा इलाज के लिए विभिन्न, विभिन्न योजनाओं के साथ कन्याओं के लिए कन्या सुमंगला योजना देकर पढ़ने लिखने व शादी में भी सहयोग की व्यवस्था की है। कुछ भी हो भाजपा सरकार अन्य सपा व बसपा सरकार से जनता के लिए अच्छा कार्य कर रही है । इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख सभी छात्र–छात्राओं व ग्रामीणों में बिस्कुट, फल,का वितरण किया। इस अवसर पर लक्ष्मी प्रसाद, दीनदयाल, रामफेर, शिव चंद्र शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

घरों में मनाई गई विश्वकर्मा जयंती, कारखानों में पूजा

अवध की आवाज

माधौगढ (जालौन) क्षेत्र के ग्राम खल्ला में बड़े हर्षोल्लास के साथरू भगवान विश्वकर्मा जयंती पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ

मनाई गई। घरों के अलावा विभिन्न फैक्ट्रियों, लोहे आदि की दुकानों, वर्कशहप में उपकरण व मशीनों की पूजा–अर्चना की गई। घरों व कार्यशालाओं में हवन पूजन का आयोजन भी हुआ । ऐसी मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से व्यापार में दिन दूनी तरक्की होती है। सुबह से ही घरों में साफ-सफाई करने के बाद भगवान विश्वकर्मा को भोग लगाकर उनकी पूजा की गई। कारखानों व कार्यशालाओं में नारियल फोड़कर व भोग लगाने के बाद कलावा बांध कर मशीनों व उपकरणों की पूजा की गई। माँ काली देवी रोड स्थित में सभी यंत्रों व बसों की पूजा की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता में बैठक हुई जो डह श्रीकृष्ण विश्वकर्मा व विश्वकर्मा बिग्रेड के महामंत्री पत्रकार संदीप विश्वकर्मा के द्वारा की गई मीटिंग सभी लोग इकट्ठा हुए और संगठन बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाया विश्वकर्मा जयंती पर ग्राम खल्ला में आयोजित हुआ । राम चरित मानस पाठ एवं विश्वकर्मा जयंती समारोह' भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शुक्रवार १६ सितंबर २०२१ को ग्राम खल्ला में श्री राम चरित मानस का पाठ एवं विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया एवं जिसका समापन और प्रसाद वितरण १७ सितंबर २०२१ को हुआ। यह जानकारी ग्राम खल्ला के श्री हरनारायण विश्वकर्मा, जगदीश, जागेश्वर, कैलाश, रामकरण, राजेंद्र, सुखदेव, श्री कृष्ण आदि विश्वकर्मा समाज के लोगों ने दी।

डेढ़ माह से खराब पड़े हैं बैंक के सीसीटीवी कैमरे, बैंक की लापरवाही हुई उजागर

अवध की आवाज

कोंच (जालौन) स्थानीय सेंट्रल बैंक शाखा के अंदर से एक महिला द्वारा २० हजार रुपये रखे झोले को लेकर भाग जाने की बड़ी घटना सामने आयी है।नगर के मुहल्ला सुभाष नगर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक अमरनाथ उदैनिया की पुत्री समता उदैनिया ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गुरुवार को वह सेंट्रल बैंक की मुख्य शाखा में अपने बैंक खाते में जमा रुपये निकालने के लिए गयी थी और उसने २० हजार रुपये निकालकर उक्त रुपये अपने झोले में रख लिए और काउंटर पर झोला रखकर अपने कागजात संभालने लगी इसी दौरान नजदीक आयी एक अज्ञात महिला झोला लेकर बैंक से बाहर भाग गयी।पीड़ित युवती ने पुलिस से उक्त घटना को लेकर कार्यवाही करने की मांग की है और पुलिस घटना की जाँच में संलग्न है।वहीं उक्त घटना को लेकर बैंक प्रबंधन की घोर लापरवाही भी सामने आयी है जिससे उस महिला की पहचान उजागर नहीं हो सकी है।बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे बीते करीब डेढ़ माह से खराब पड़े हुए हैं।शाखा प्रबंधक अरविंद आर्या ने बताया कि दोपहर के समय उक्त घटना घटित हुई है लेकिन कैमरे खराब होने के चलते फुटेज नहीं निकाले जा सकते हैं।उन्होंने बताया कि कैमरे सही होने के लिए वह पहले ही संबंधित कंपनी को अवगत करा चुके हैं और संभवतः एक दो

उन्नाव सेंट्रल बार के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

अवध की आवाज

उन्नाव। सेंट्रल बार के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गदन खेड़ा स्थित उमा रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शकुन सिंह जी उपस्थित रही। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश श्री हरवीर सिंह जी,केशव प्रसाद अवस्थी अध्यक्ष सेंट्रल बार,अखिलेश श्रीवास्तव महामंत्री,राहुल प्रताप सिंह संयुक्त मंत्री,रचना कुर्मी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ज्योति प्रभा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आलोक कुमार सहायक मंत्री,धर्मेंद्र दीक्षित कोषाध्यक्ष सहित दर्जनों अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

क्या हिन्दुत्व और हिन्दू धर्म एक ही हैं?

गत 10 से 12 सितंबर तक एक ऑनलाइन वैश्विक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसका विषय था षडिसमेंटलिंग ग्लोबल हिन्दुत्वष (वैश्विक हिन्दुत्व का विनिष्टीकरण). इस संगोष्ठी को दुनिया भर के ऐसे 15 कार्यकर्ताओं और अध्येताओं ने संबोधित किया जो अपने–अपने देशों में हिन्दू राष्ट्रवाद के विभिन्न पहलुओं और उससे उपजी असहिष्णु राजनीति के विरूद्ध संघर्षरत हैं. इस संगोष्ठी के आयोजन में अमरीका के 52 विश्वविद्यालयों के 70 से अधिक विभागों ने भागीदारी की. पन्द्रह हजार से ज्यादा लोगों ने इस ऑनलाइन संगोष्ठी की कार्यवाही को देखने के लिए अपना पंजीकरण करवाया. जहां मुख्यधारा के भारतीय मीडिया ने इस बड़े कार्यक्रम का संज्ञान ही नहीं लिया वहीं सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हुई।

संगोष्ठी के आयोजन की घोषणा होते ही हिन्दू राष्ट्रवादियों के अमरीकी संगठनों ने आयोजकों पर हल्ला बोल दिया. उनकी पूरी कोशिश थी कि यह आयोजन हो ही न सके. आयोजकों में शामिल अमरीकी विश्वविद्यालयों को हजारों ईमेल भेजे गए. यहां तक कि ईमेलों की इस बाढ़ के कारण एक विश्वविद्यालय का सर्वर ही ठप्प हो गया. इस संगोष्ठी के वक्ताओं की जमकर ट्रालिंग हुई. महिला वक्ताओं को यौन हमले की धमकियां दीं गईं. यहां यह महत्वपूर्ण है कि अमरीका में विश्व हिन्दू परिषद ऑफ अमेरिका सहित अनेक ऐसी संस्थाएं हैं जो आरएसएस से जुड़ी हुई हैं और जिनका वहां खासा प्रभाव है।

संगोष्ठी के विरोधियों का तर्क था कि यह आयोजन हिन्दुओं पर हमला है. संगोष्ठी का असली ध्येय क्या है इस पर प्रकाश डालते हुए प्रतिष्ठित कवयित्री और लेखिका मीना कंडासामी ने कहा, ष्यह संगोष्ठी हमें यह समझने में मदद करने के लिए आयोजित की गई है कि किस तरह हिन्दुत्व, हिन्दू धर्म से अलग है और उसके लिए ही एक बड़ा खतरा है और कैसे इस कारण भारत की पहचान एक ऐसे देश के रूप में बन रही है जहां अप्रजातांत्रिक और असहिष्णु शक्तियों का बोलबाला है. हिन्दुत्व आज भारतीय राज्य की आधिकारिक विचारधारा बन गया है और इसके महिलाओं, दलितों, अल्पसंख्यकों और असहमति के अधिकार के लिए गंभीर निहितार्थ हैं।

संगोष्ठी के अधिकांश वक्ता विभिन्न अमरीकी विश्वविद्यालयों से थे। भारत से जाने–माने फिल्म निर्माता आनंद पटवर्धन और दलित कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जो लोग इस कार्यक्रम पर हमलावर थे उनका मुख्य तर्क यह था कि इसका उद्धेश्य हिन्दुओं का दानवीकरण करना है. बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग अमरीका में बस गए हैं और अलग–अलग प्रकार की नौकरियां और व्यापार–व्यवसाय कर रहे हैं। अमरीका में रह रहे हिन्दुओं का एक बड़ा तबका अलगाव के भाव से ग्रस्त है और इसी के चलते वह अपनी हिन्दू पहचान का ज्यादा से ज्यादा प्रदर्शन करना चाहता है. अप्रवासी भारतीयों के बीच संघ और उससे जुड़े संगठन अतिसक्रिय हैं. इन भारतीयों में से अनेक न केवल संघ की विचारधारा के जबरदस्त समर्थक हैं वरन् वे इन संगठनों को भारी धनराशि दान में देते हैं।

एनआरआई का यही तबका हाउडी मोदी जैसे आयोजनों के पीछे था। उनकी आपत्ति यह थी कि इस संगोष्ठी के जरिए हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है. यह साफ है कि इस संगोष्ठी का आयोजन हिन्दू धर्म का विरोध करने के लिए नहीं बल्कि हिन्दुत्व की राजनीति की समालोचना और विवेचना करने के लिए किया गया था। हिन्दुत्व एक राजनैतिक शब्द और अवधारणा है जिसका हिन्दू धर्म से कोई संबंध नही है. हिन्दुत्व शब्द को सन् 1890 के दशक में चन्द्रनाथ बसु ने गढ़ा था और इसे सबसे पहले चर्चा में लाने वाले थे वी. डी. सावरकर, जिन्होंने अपनी पुस्तक 'हिन्दुत्व ऑर हू इज ए हिन्दू' में इसकी विवेचना की थी।

सन् 1890 में इस शब्द के पहली बार प्रयोग किए जाने से हमें यह पता चलता है कि हिन्दू राष्ट्रवाद ने इसी काल में अंगड़ाई लेना शुरू किया था. यह वह काल था जब सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया के चलते दलितों और महिलाओं ने सार्वजनिक जीवन में आना प्रारंभ किया था। इन दोनों तबकों की शिक्षा तक पहुंच बनने से समाज की सोच में परिवर्तन आने शुरू हुए. तब तक भारतीय समाज में सामंतवादी मूल्यों का बोलबाला था और महिलाओं व दलितों के बारे में तरह–तरह के जातिगत और लैंगिक पूर्वाग्रह व्याप्त थे. जैसे–जैसे सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया आगे बढ़ती गई वैसे–वैसे इन वर्गों का प्रभाव भी बढ़ता गया और अंततः इसी प्रक्रिया के नतीजे में सन् 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अस्तित्व में आई. कांग्रेस, उदयीमान भारतीय राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करती थी।

तेजी से हो रहे सामाजिक परिवर्तनों के कारण जिन वर्गों के रूतबे और शक्तियों में कमी आ रही थी उन्होंने धर्म के नाम पर राजनीति शुरू कर दी ताकि अपने धर्म के गौरव के बहाने वे उस पुराने सामाजिक ढ़ांचे को पुनर्स्थापित कर सकें जिसमें उनका बोलबाला था। यही वह समय था जब भारत में हिन्दू राष्ट्रवाद और मुस्लिम राष्ट्रवाद की विचारधाराओं ने जड़ पकड़ना शुरू किया। समय के साथ उनकी ताकत और प्रभाव में बढ़ोत्तरी होने लगी।

सावरकर, जिन्होंने हिन्दुत्व शब्द को लोकप्रिय बनाया, काफी हद तक उहापोह के शिकार थे. एक ओर वे समाज में समानता स्थापित करने वाले आंदोलनों के खिलाफ थे तो दूसरी ओर वे मुसलमानों के प्रति भी बैरभाव रखते थे. इन दोनों पूर्वाग्रहों के संश्लेषण से हिन्दुत्व की विचारधारा जन्मी जिसे सावरकर ने आर्य नस्ल, ब्राम्हणवादी संस्कृति और भारत भूमि से जोड़ा.

इसके कुछ समय बाद भारत के राजनैतिक क्षितिज पर महात्मा गांधी का उदय हुआ. गांधी अपने समय के महानतम हिन्दू थे. परंतु वे हिन्दू धर्म में सुधार की आवश्यकता से परिचित थे और उन्हें भारत के बहुधार्मिक चरित्र के कारण होने वाली समस्याओं का अंदाजा था. हिन्दू धर्म को परिभाषित करना कठिन है क्योंकि इसका न तो कोई पैगंबर है और ना ही कोई एक किताब. इसके पुरोहित वर्ग का कोई सुस्थापित ढ़ांचा भी नहीं है. हिन्दू धर्म में अनेक विविधताएं हैं और अनेकानेक पंथ हैं जिनमें से कुछ हैं ब्राम्हणवाद, नाथ, तंत्र, भक्ति, शैव और सिद्धांत।

हिन्दुत्व मुख्यतः ब्राम्हणवादी मानदंडों को बनाए रखना चाहता है। परंतु उसके साहित्य में वह जानबूझकर इनकी चर्चा नहीं करता। हिन्दू राष्ट्रवाद भारतीय राष्ट्रवाद की खिलाफत में उभरा था. गांधी, नेहरू और पटेल के नेतश्त्व में भारतीय राष्ट्रवाद हिन्दू धर्म की विविधता को स्वीकार करता था और देश को औपनिवेशिक दासता से मुक्त करवाना चाहता था। हिन्दू राष्ट्रवाद की राजनीति, हिन्दुत्व, ने स्वाधीनता संग्राम से दूरी बनाए रखी. वह दलितों और महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी समानता के खिलाफ था।

पिछले तीन दशकों में इस संकीर्ण राष्ट्रवाद ने हिन्दुत्व शब्द को लोकप्रिय और स्वीकार्य बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। अब तो इसके पैरोकार कहते हैं कि हिन्दू धर्म और हिन्दुत्व एक ही हैं. हिन्दुत्व के नाम पर लोगों की पीट–पीटकर हत्या की जा रही है। आनंद पटवर्धन ने हिन्दू धर्म और हिन्दुत्व की अत्यंत सहज और उपयुक्त तुलना करते हुए कहा कि अगर हिन्दू धर्म हिन्दुत्व है तो कू क्लक्स क्लेन ईसाई धर्म है। मेरा जन्म एक हिन्दू परिवार में हुआ था जिसमें हिन्दू रीतिरिवाजों का पालन होता था और हिन्दू त्यौहार मनाए जाते थे। परंतु अपने बचपन में मैंने हिन्दुत्व का नाम कभी नहीं सुना. इन दावों कि भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था और यह कि हिन्दुत्व और हिन्दू धर्म में कोई अंतर नहीं है, का प्रचार–प्रसार पिछले कुछ दशकों में हुआ है. हिन्दुत्व और हिन्दू धर्म के बीच के अंतर को मैं इस तरह परिभाषित करना चाहूंगा कि जहां गांधी हिन्दू थे वहीं गोडसे हिन्दुत्ववादी था। (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

अलीगढ़ विश्वविद्यालय, राजा महेन्द्र प्रताप और ध्रुवीकरण के प्रयास

–राम पुनियानी–

सांप्रदायिक राजनीति के झंडाबरदारों को न केवल धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करवाने की कला में महारत हासिल है वरन् वे इसके नए–नए तरीके भी ईजाद करते रहते हैं. मुजफ्फरनगर में इसके लिए 'लव जिहाद' का इस्तेमाल किया गया तो अलीगढ़ में अतुलनीय गुणों के धनी राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के नाम का उपयोग इसी उद्देश्य से किया जा रहा है

भाजपा और उसके साथी संगठनों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के केम्पस में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की याद में एक कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की. विश्वविद्यालय के कुलपति ने आयोजकों के कुत्सित इरादों को नाकामयाब करने के लिए यह घोषणा कर दी कि विश्वविद्यालय स्वयं अपने इस पूर्व छात्र के स्वाधीनता संग्राम में योगदान पर सेमीनार का आयोजन करेगा. भाजपा ने इस जानेमाने व्यक्तित्व का दुरूपयोग करने का इरादा इसलिए बनाया क्योंकि उनकी मश्त्यु के दशकों बाद भी आम लोगों के मन में उनके प्रति बहुत सम्मान का भाव है. ठीक इसी मौके पर यह मुद्दा क्यों उठाया गया, इस प्रश्न का उत्तर दिलचस्प है।

महेन्द्र प्रताप की 29 अप्रैल 1979 को मश्त्यु हो गई थी. इतने वर्ष बाद, भाजपा को अचानक उनकी याद आ गई क्योंकि उसे लगा कि उनकी जाट और हिंदू पहचान का उपयोग, पार्टी अपने राजनीतिक खेल के लिए कर सकती है. महेन्द्र प्रताप अप्रितम स्वाधीनता संग्राम सेनानी, पत्रकार और लेखक थे. वे मानवतावादी थे और धार्मिक व राष्ट्रीय सीमाओं से परे, दुनिया के सभी देशों का महासंघ बनाने के विचार से प्रेरित थे. वे मार्क्सवादी थे और सामाजिक सुधार और पंचायतों के सशक्तिकरण के पक्षधर थे. वे भारतीय स्वाधीनता संग्राम सेनानी संगठन के अध्यक्ष थे. वे पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने काबुल में सन् 1915 में भारत की निर्वासित सरकार बनायी थी. यहां यह याद रखना प्रासंगिक होगा कि इसके काफी वर्षों बाद, सन् 1929 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत की पूर्ण स्वतंत्रता को अपना लक्ष्य घोषित किया. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा गठित निर्वासित सरकार को हुकूमत–ए–मुख्तर–ए–हिंद कहा जाता था. इस सरकार के मुखिया महेन्द्र प्रताप थे, मौलवी बरकतउल्लाह इसके प्रधानमंत्री और मौलाना औबेदुल्ला सिंधी आतंरिक मामलों के मंत्री थे।

स्वाधीनता के बाद, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह ने 1957 के लोकसभा चुनाव में मथुरा लोकसभा क्षेत्र में अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित किया था. यह तथ्य कि वे तत्कालीन भारतीय जनसंघ के नेता वाजपेयी के खिलाफ चुनाव लड़े और जीते ही इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि वे सांप्रदायिक ताकतों के धुर विरोधी थे. यह विडंबना ही है कि ऐसे व्यक्ति को योगी आदित्यनाथ जैसे भाजपा नेता अपनी संकीर्ण राजनीति के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं. योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि अगर राजा महेन्द्र प्रताप ने अपनी जमीन दान न दी होती तो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आज अस्तित्व में न होता. यह दावा तथ्यों के विपरीत है।

एएमयू के पूर्ववर्ती मोहम्मडन एंग्लो ओरिएन्टल कॉलेजष की स्थापना सन् 1886 में हुई थी और इसका भवन, ब्रिटिश केन्टोरमेंट की लगभग 74 एकड़ जमीन को खरीदकर बनाया गया था। इसके काफी बाद, सन् 1929 में, प्रताप ने अपनी 3.04 एकड़ भूमि, जिसे तिकोनिया ग्राउण्ड कहा जाता है, एएमयू को दान दी. इस जमीन का उपयोग एएमयू के सिटी हाईस्कूल के खेल के मैदान के रूप में किया जाता है. उन्होंने सन् 1895 में इस कॉलेज में दाखिला लिया था परंतु वे वहां अपनी स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके. उन्होंने 1905 में इस कॉलेज को छोड़ दिया. सन् 1920 में मोहम्मडन एंग्लो ओरिएन्टल कॉलेज (एमएओ), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बन गया और यह विश्वविद्यालय आज भी राजा महेन्द्र प्रताप सिंह को अपना पूर्व छात्र मानता है. सन् 1977 में एमएओ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह में एएमयू के तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर ए.एम. खुसरो ने राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का सम्मान किया था।

जिस समय एएमओ की स्थापना हुई थी, उस समय राजा महेन्द्र प्रताप सिंह का जन्म भी नहीं हुआ था अतः उनके द्वारा इस संस्था को कोई जमीन दान दिए जाने का प्रश्न ही उपस्थित नहीं होता. हां, यह जरूर है कि महेन्द्र प्रताप के पिता मुरसान के राजा घनश्याम सिंह ने इस कॉलेज के होस्टल में एक कमरे का निर्माण करवाया था जो आज सर सैय्यद हॉल (दक्षिण) का कमरा नंबर 31 है। भाजपा की मांग है कि एएमयू को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की जयंती उसी तरह मनानी चाहिए जिस तरह वहां विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैय्यद अहमद खान की जयंती मनाई जाती है. आरएसएस और भाजपा के नेताओं ने ऐसा करने के लिए एएमयू के कुलपति पर दबाव बनाया. कुलपति का तर्क यह था कि एएमयू अपने हर पूर्व छात्र या दानदाता की जयंती नहीं मना सकता, यद्यपि वह विश्वविद्यालय के निर्माण में उनकी भूमिका का सम्मान करता है. प्रताप के विश्वविद्यालय के निर्माण में योगदान को मान्यता प्रदान करते हुए यूनिवर्सिटी में सर सैय्यद के चित्र के बगल में महेन्द्र प्रताप का चित्र भी लगाया गया है।

गत 17 नवंबर को उत्तरप्रदेश भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी और महासचिव स्वतंत्र देव सिंह अलीगढ़ पहुंचे और उन्होंने पार्टी की जिला इकाई को यह निर्देश दिया कि महेन्द्र प्रताप की जयंती मनाने के लिए एएमयू के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया जाए. राजा महेन्द्र प्रताप सिंह, जाट नेता भी माने जाते हैं। आम धारणा यह है कि एएमयू एक मुस्लिम संस्थान है. सांप्रदायिक ताकतों द्वारा जाटों और मुसलमानों के बीच विवाद पैदा कर, मुजफ्फरनगर में सांप्रदायिक दंगे भड़काएं गए थे. अब, भाजपा एक जाट राजा का महिमामंडन कर इस तनाव को बढ़ाना चाहती थी. यह एक सुनियोजित चाल थी जिसके तहत भाजपा, इलाके के एक सम्मानित व्यक्ति को अपनी राजनीति का अंग बना लेती और अगर राज्य सरकार इस समारोह के आयोजन पर रोक लगाती तो उस पर मुसलमानों का तुष्टिकरण करने का आरोप जड़ दिया जाता।

इस षड़यंत्र को विफल करने के लिए एएमयू के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल जमीरउद्दीन षाह ने यह प्रस्ताव किया कि राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की जयंती को मनाने के लिए एएमयू, भारत के स्वाधीनता संग्राम में उनकी भूमिका पर एक सेमिनार का आयोजन करेगा. यह एक स्वागत योग्य पहल थी. इससे कम से कम कुछ समय के लिए विवाद टल गया. अगर कुलपति यह प्रस्ताव नहीं करते तो भाजपा का इरादा एएमयू के मुख्य द्वार पर रैली करने का था जिससे तनाव बढ़ने और हिंसा भड़कने की संभावना होती। इस घटनाक्रम के कई सबक हैं. पहला तो यह कि भाजपा अपनी सांप्रदायिक राजनीति के हित साधने के लिए राष्ट्रीय नेताओं के नाम का इस्तेमाल कर रही है, फिर चाहे वे सरदार पटेल हों, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी या इस मामले में राजा महेन्द्र प्रताप. इन नेताओं के जीवन के केवल उस पक्ष को प्रचारित किया जा रहा है जिससे सांप्रदायिक ताकतों को लाभ मिले. महेन्द्र प्रताप एक मार्क्सवादी थे परंतु उन्हें केवल एक जाट नेता बताया जा रहा है. वे धर्म के नाम पर की जाने वाली राजनीति के खिलाफ थे और यह इससे स्पष्ट है कि उन्होंने भारतीय जनसंघ के तत्कालीन नेता अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ चुनाव लड़ा और वाजपेयी को पराजित किया था। दूसरा यह कि भाजपा और उसके साथी, व्यक्तियों की केवल धार्मिक पहचान को प्रमुखता देने का षड़यंत्र रच रहे हैं चाहे वह हिंदू हों या मुसलमान. मुजफ्फरनगर में जाटों को लव जिहाद के नाम पर हिंदुत्ववादी झंडे के नीचे लाने का प्रयास किया गया। हिंदू धार्मिक पहचान को 'दूसरी' धार्मिक पहचान के विरूद्ध खड़ा किया जाता है जो मुस्लिम और कभी–कभी ईसाई होती है। यही खेल दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी खेला जा रहा है जहां दलितों को मुसलमानों के खिलाफ भडकाया जा रहा है। इस तरह दो वंचित समुदायों को 'उनके धर्म' या आस्था से जुड़े किसी भी मुद्दे के बहाने एक दूसरे से लड़वाया जा रहा है। सांप्रदायिक राजनीति न केवल आम लोगों को उनकी धार्मिक पहचान से जोड़ने की कोशिश कर रही है वरन् जानीमानी हस्तियों के साथ भी ऐसा ही किया जा रहा है, जैसा कि राजा महेन्द्र प्रताप के मामले में किया गया. तीसरा सबक जो हमारे समाज को सीखना चाहिए वह यह है कि सांप्रदायिक शक्तियां विभिन्न धार्मिक समुदायों को एक–दूसरे से लड़वाने के लिए मुद्दों की तलाश में हैं। जहां इन ताकतों का शीर्ष नेतृत्व सभी प्रकार की हिंसा पर रोक की बात करता रहता है वहीं इसी नेतृत्व के चेलेचपाटी सांप्रदायिकता की आग को भड़काने के उपाय ढूंढते रहते हैं। इस माहौल में हम सब को सावधान रहने और धैर्य व समझदारी से काम करने की जरूरत है. हमें यह समझना होगा कि महेन्द्र प्रताप जैसे लोग प्रेम, शांति और वैश्विक मानवतावाद के पैरोकार थे न कि किसी धर्म या जाति के नेता. केवल धार्मिक पहचान के आधार पर हमारे राष्ट्रीय नेताओं का वर्गीकरण करना घोर अनैतिक है चाहे फिर वे नेता किसी भी धर्म के क्यों न हों. (मूल अंग्रेजी से हिन्दी रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

अमीर-गरीब में भेदभाव रहेगा तो कैसे कोविड महामारी का अंत होगा?

–बॉबी रमाकांत–

113 साल पहले 1918 में वैश्विक महामारी से जितने लोग अमरीका में मश्त हुए थे उससे ज्यादा वहाँ पर अब कोविड से मश्त हो चुके हैं। अमरीका जैसे साधन सम्पन्न राष्ट्र का यह हाल है तो अन्य विकासशील देशों में स्वास्थ्य सुरक्षा की कल्पना कीजिए कि महामारी ने कितनी वीभत्स मानवीय त्रासदी उत्पन्न की है। यह बात सच है कि कोरोना वाइरस के कारण जान गयी हैं परंतु यह भी कटु सत्य है कि कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली, गैर बराबरी वाली व्यवस्था के कारण भी अनेक जाने गयी हैं। कहीं लोग अस्पताल में भर्ती न होने के कारण मश्त हुए तो कहीं ऑक्सिजन न मिल पाने के कारण। हर इंसान के लिए सशक्त जन स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा कितनी जरूरी है यह हमने सीखने में सदियां लगा दी हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब तक दुनिया की आबादी के एक बड़े भाग (70 फीसदी से अधिक) को नौ–दस महीनों की समय सीमा में पूरा टीकाकरण नहीं मिल जाता, तब तक टीकाकरण के जरिए कोविड महामारी पर विराम कैसे लगेगा? सिर्फ अमीर देशों में या अमीर लोगों को ही पूरा टीका मिलेगा और अन्य लोग वंचित रहेंगे तो महामारी पर अंकुश कैसे लगेगा? यह गम्भीर सवाल न केवल अमीर देशों के लिए है बल्कि गरीब और विकासशील देशों में अमीर वर्ग के लिए भी है। चीन के वुहान से जो वाइरस दिसम्बर 2019 में रिपोर्ट हुआ था, वह दुनिया के सभी देशों में फैल गया है–अमीर हो या गरीब। यह समझना सबसे जरूरी है कि एक व्यक्ति की स्वास्थ्य सुरक्षा अन्य लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी निर्भर है। और यह भी समझना जरूरी है कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा कदापि पर्याप्त नहीं है क्योंकि वह शासन–प्रशासन और हरी–भरी पृथ्वी पर भी निर्भर है (उदाहरण के तौर पर, वायु प्रदूषण से होने वाले फेफड़े के कैन्सर और अन्य जानलेवा रोग से स्वास्थ्य बीमा या स्वास्थ्य सेवा नहीं बचा पाएगी)।

ठोस प्रमाणः टीकाकरण से कोविड होने पर उसके गम्भीर परिणाम होने का खढतरा बहुत कम

टीकाकरण का व्यक्तिगत लाभ भी मिलता है क्योंकि जिसको पूरा टीका लगा है उसको कोविड होने पर कोविड के गम्भीर परिणाम होने का खढतरा अत्यंत कम है और कोविड से मश्त होने की सम्भावना भी बहुत कम है। दुनियाभर में हुए अनेक वैज्ञानिक शोध इस बात को प्रमाणित करते हैं कि कोविड टीके से कोविड होने के गम्भीर परिणाम होने का खढतरा बहुत कम होता है और मश्त्यु का खढतरा भी अत्यंत कम (उन लोगों की तुलना में जिन्हें कोविड टीका नहीं लगा है)। दुनिया में अनेक देशों में आबादी का एक बड़ा भाग पूरा टीकाकरण करवा चुका है जैसे कि अमरीका, कनाडा, ऑस्ट्रेल्या, फरान्स, यूरोप के अन्य अमीर देश, उरुगाय, सिंगापुर आदि। इनमें से अनेक देशों में 80 फीसदी से अधिक आबादी को पूरा टीका लगा है और अनेक जगह 50 फीसदी से अधिक आबादी पूरा टीकाकरण करवा चुकी है।

जिन देशों में अत्याधिक आबादी पूरा टीकाकरण करवा चुकी है, वहाँ पर इसीलिए जिस अनुपात में नए कोविड पॉजिटिव केस हैं उस अनुपात में लोगों को अस्पताल को जरूरत नहीं पड़ती, ऑक्सिजन की जरूरत नहीं पड़ती, और मश्त्यु दर भी कम है। जिन देशों में टीकाकरण कम है वहाँ जिस अनुपात में नए कोविड केस हैं उसी अनुपात में अस्पताल की जरूरत बढ़ती है, ऑक्सिजन की जरूरत बढ़ती है, मश्त्यु दर बढ़ती है। साफ जाहिर है कि कोविड टीकाकरण करवाने के कारण कोविड होने पर गम्भीर परिणाम होने का खढतरा बहुत कम होता है।

क्या टीकाकरण से संक्रमण होने से बचाव होता है?

पूरा कोविड टीकाकरण कराने से व्यक्ति कोविड से संक्रमित होने से बचेगा या नहीं इस पर ठोस प्रमाण अभी आना बाकी है। अमरीका में दिसंबर 2020 से अप्रैल 2021 तक हुए प्रारम्भिक शोध के आँकड़े बताते हैं कि जिन लोगों ने पूरा टीकाकरण करवाया था उनको संक्रमण होने का खढतरा 80 फीसदी कम था हालाँकि अमरीकी सीडीसी के अनुसार, अभी अधिक शोध की जरूरत है कि यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो और ठोस रूप से कही जा सके. हाल ही में जारी दिशानिर्देश में, अमरीका के सीडीसी ने कहा कि कोविड टीके की पूरी खुराक लगवाने पर कोविड होने का खढतरा 5 गुणा कम होता है और यदि कोविड हो जाए तो गम्भीर परिणाम होने का खढतरा 10 गुणा कम और कोविड से मृत्यु होने का खढतरा 10 से अधिक गुणा कम होता है। पर यह बात स्पष्ट है कि टीकाकरण करवाने से कोविड होने का खढतरा अत्यंत कम होता है पर शून्य नहीं होता है–इसीलिए मास्क ठीक से पहने, भौतिक दूरी बनाये रखें, और संक्रमण नियंत्रण पर ध्यान दें। मुंबई में आँकड़े देखें तो जिन लोगों को पूरा टीका लगा था उनमें सिर्फ 0.35 फीसदी को कोविड हुआ। मुंबई में 25 लाख लोगों को पूरा टीका लगा था जिनमें से 9001 कोविड पॉजिटिव हुए।

उत्तर प्रदेश में कुल आबादी के मात्र 8 फीसदी को अब तक लगा है पूरा टीका

16 जनवरी 2021 से सितम्बर तक, उत्तर प्रदेश में कुल आबादी के मात्र 8 फीसदी का पूरा टीकाकरण हुआ है जो राष्ट्रीय औसत पूरा टीकाकरण दर से आधा है! केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय औसत से दुगना टीकाकरण हो रहा है। हालाँकि इसी समय अवधि में अमीर देशों में आबादी का 80 फीसदी से अधिक का टीकाकरण हो चुका है। जुलाई 2021 में भारत में आबादी के 8.8 फीसदी लोगों का पूरा टीकाकरण हो चुका था पर उत्तर प्रदेश में 4.3 फीसदी ही हुआ था। सशक्त जन स्वास्थ्य प्रणाली कितनी जरूरी है सतत विकास के लिए यह कोविड ने पुनः स्पष्ट कर दिया है। कोविड महामारी पर अंकुश लगाने के लिए यह जरूरी है कि एक समयबद्ध तरीके से बिना भेदभाव के सभी का टीकाकरण हो। अमीर हो या गरीब, अमीर देश में हो या गरीब देश में, दुनिया में सभी के टीकाकरण की जरूरत है जिससे कि महामारी पर सफलतापूर्वक अंकुश लग सके। अनेक देशों में टीकाकरण दर अत्यंत कम पर अमीर देश तीसरे बूस्टर डोज लगवाने पर आतुर!

यदि अमीर लोग या अमीर देश टीके की होड़ करेंगे और खुद तीसरी बूस्टर डोज लगवाएँगे तो निःसंदेह महामारी के खिलाफ जंग अभी काफी जटिल होने को है! दुनिया में कुल आबादी है 7 अरब और 5.5 अरब वैक्सीन डोज लग चुकी हैं पर इनमें से 80 फीसदी अमीर देशों में लगी हैं न कि विकासशील या गरीब देशों में। यह बात भी हम ध्यान दें कि अनेक विकासशील देश जैसे कि भारत में यह अधिकांश वैक्सीन बनी हैं। दुनिया के अमीर देश तीसरी बूस्टर डोज लगवाने को आतुर हैं परंतु उनके अकेले के टीकाकरण से महामारी का अंत कैसे होगा? इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉक्टर टेडरॉस ने कहा है कि 2021 के अंत तक, कोई देश तीसरा बूस्टर डोज न लगवाए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के सभी देशों से अपील की है कि सितम्बर 2021 के अंत तक, सभी देश अपनी आबादी के 10 फीसदी का कम–से–कम पूरा टीकाकरण करें, दिसम्बर 2021 तक 40 फीसदी और जून 2022 तक 70 फीसदी आबादी का हर देश कम–से–कम टीकाकरण करे। अमीर देशों ने वादा किया था कि 1 अरब डोज वह गरीब देशों को दान देंगे पर इस वादे का सिर्फ 15 फीसदी अभी तक दान दिया गया है। हाल ही में प्रकाशित समाचार के अनुसार, भारत में भी तीसरे डोज की बात हो रही है जो सर्वदा अनुचित है क्योंकि पूरी आबादी में सभी पात्रों को टीका तो पहले मिले तब ही हम लोग तीसरी बूस्टर डोज का सोचें। कोविड महामारी का प्रकोप अनेक गुना तीव्र करने में हमारे समाज में व्याप्त गैर बराबरी की बड़ी भूमिका है। इसीलिए कोविड के दौरान जीवनरक्षक दवाओं या ऑक्सिजन की कालाबाजारी, जमाखढोरी, आदि, पीपीई किट या मास्क भी इस मुनाफे के खेले से अछूते नहीं रहे। हद तब हो गयी जब मश्त्यु उपरांत परिवारजन को शव ले जाने वाले वाहन, ऐम्ब्युलन्स आदि या क्रिया क्रम में भी लूटने की खबरें आयीं। जब तक समाज के सबसे वंचित वर्ग जो हाशिये पर हैं वह सुरक्षित नहीं रहेंगे और बिना किसी शोषण या भेदभाव के मानवीय ढंग से जीवनयापन नहीं कर सकेंगे, तब तक कोविड जैसी महामारी मानवीय त्रासदी बन हम पर कढहर ढाहती रहेंगी।

छात्र भारत का भविष्य

–एड किशन भावनानी–

गोंदिया–वैश्विक रूप से कोविड–19 महामारी ने भयंकर रूप से तबाही मचाई और अनेक उपायों के साथ वैश्विक स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान की शक्ति से भारी राहत मिली है और संपूर्ण विश्व में करीब–करीब अनलॉक हो गया है। परंतु खास बात देखने योग्य यह है कि महामारी ने मानव जीवन और रहन–सहन के तरीकों को बदल दिया हैकृ। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो वैक्सीनेशन में भारतने भी दिनांक 13 सितंबर 2021 तक करीब–करीब 75 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है और अब महामारी नियंत्रण में है। परंतु इसके साथ ही ऐसा हम महसूस करते हैं कि नागरिकों का रहन सहन और सरकार की सोच बदलते परिवेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी, अनुसंधान विकास, उद्योग जगत इत्यादि हरक्षेत्र मेंविकाससोन्मुखी सोच कायम कर दी है। आज हम तीव्र गति से विकास चाहते हैंऔर सरकारें भी अपने रणनीतिक रोडमैप इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर बना रही है, जो हमें प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं पीआईबी के माध्यम से जानकारी मिलते रहती हैकृ। साथियों बात अगर हम शिक्षा क्षेत्र की करें तो यह क्षेत्र भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की सीढ़ी का प्रथम पायदान है जिसमें छात्र, युवा, शिक्षक,मार्गदर्शक मिलकर विकाससोन्मुखी व परिणामोंन्मुखी वातावरण निर्माण कर अत्यधिक आधुनिक अनुसंधान क्षेत्र, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रॉनिक्स सहित सभी क्षेत्रों में तीव्रता से नवाचार और उधमिता की भावना का संचार करेंगे, तो हम इस शिक्षाक्षेत्र रूपी प्रथम पायदान के बल पर पूरी संपूर्ण सीढ़ी चढ़कर भारत को न केवल पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में सफल होंगे बल्कि वैश्विक रूपसे भी हमअर्थव्यवस्था में दखढल करने की योग्यता भी हासिल करेंगे। क्योंकि हम जनसंख्यकीय रूप से भी विश्व में दूसरे नंबर पर हैं। बस!! जरूरत है हमें अपनी जनसंख्या के हर नागरिक को शैक्षणिक और कौशलता की ढाल बनाने की!! साथियों बात अगरहम शैक्षणिक क्षेत्र को बढ़ावा देने की करें तो आज परिणामोंन्मुखी अनुसंधान को बढ़ावा देने नई शिक्षा नीति 2020,आत्मनिर्भर भारत, अंतरिक्ष क्षेत्र में कायापलट विकास के कदम, पूरा वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के निमित्त अनेक कार्यशालाएं, वेबनारों के माध्यम से भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की ओर कदम, नई शिक्षा नीति के शिक्षक दिवस 5 से 17 सितंबर 2021 तक शिक्षा पर्व मनाने, उसमें भी विकासोन्मुख कार्यक्रम के विभिन्न वेबनार, अनेक पर्व से हमें आभास होता है कि हम अब भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की ठान चुके हैं!! बस!! हमें जजबे और जांबाजी के साथ आपसी तालमेल रखकर आगे बढ़ना है। अगर हम इसी दिशा से आगे बढ़ते रहे तो विजन 2047 के बहुत पहले हम पूर्ण विकसित राष्ट्र जरूर होंगेकृ। साथियों बात अगर हम भारत के उपराष्ट्रपति के दिनांक 13 सितंबर 2021 के एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसारउन्होंने भी इस विषय पर कहा, आज भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से आग्रह किया कि वे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, स्वास्थ्य और गरीबी जैसी समकालीन चुनौतियों का समाधान करने वाले परिणामोन्मुखी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत के साथ अधिक संपर्क स्थापित करें। आगे कहा कि पुराने तरीकों से आराम से काम करने का युग बीत चुका है उन्होंने सीएसआईआर को जमीन पर स्पष्ट दिखाई देने वाले प्रभाव के लिए उद्योगों के सहयोग से विषय (थीम) आधारित परियोजनाओं पर काम करने के लिए कहा उन्होंने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) को अपने मिशन क्षेत्रों जैसे ग्रीन हाइड्रोजन कार्बन कैप्चर, कोयला गैसीकरण, फ्लाई ऐश प्रौद्योगिकी, दूरसंचार के लिए उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म, निगरानी, सुदूर संवेदी (रिमोट सेंसिंग) एवं आपदा की भरपाई, और ड्रोन प्रौद्योगिकी और कृषि और औषधि (फार्मास्युटिकल) रसायन जैसे क्षेत्रों में हितधारकों की उपयुक्त पहचान करने के लिए कहा। उन्होंने वृद्धिकारक निर्माण (एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग), वस्त्रों (फैब) के लिए रसायन और विद्युत अपघटन (इलेक्ट्रोलिसिस) के लिए उच्च तापमान वाली भाप (स्टीम) जैसे उभरते क्षेत्रों का पता लगाने के लिए भी कहाकृ। साथियों बात अगर हम केंद्रीय राज्यमंत्री विज्ञान प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान द्वारा दिनांक 13 सितंबर 2021 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि, कोविड के बाद, भविष्य की अर्थव्यवस्था प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक निर्भर होने वाली है कोरोना महामारी का उल्लेख करते हुए कहा कि, कोविड–19 ने हमें कम समय के भीतर सर्वश्रेष्ठ स्वदेशी तकनीकी अनुप्रयोगों के साथ आगे आना सिखाया है, चाहे वह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसन्धान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा वेंटिलेटर का निर्माण हो अथवा जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा वैक्सीनों का उत्पादन, भारतीय अंतरिक्ष अनुसन्धान संगठन (इसरो–आईएसआरओ) द्वारा तरल ऑक्सीजन या परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा पुनः प्रयोज्य पीपीई किट का निर्माण किया जाना हो। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्षों के लिए कार्य योजना (रोडमैप) का निर्धारण भी जीवन के सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचारों द्वारा ही किया जाएगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के छात्र भारत का भविष्य हैं भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता की भावना का संचार करना जरूरी है, क्योंकि भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने की पीढ़ी का प्रथम पायदान युवा शक्ति और छात्र हैं, इसलिए शैक्षणिक संस्थाओं को चाहिए के परिणामोंन्मुखी, वातावरण छात्रों के बीच निर्माण करने की जवाबदारी वहन करें।

मानकविहीन हो रही झंडी रोड पे पैचिंग सरकार को लगा रहे चुना

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जनपद में गड्ढा युक्त सड़कों पर ठेकेदार गड्ढों में पत्थर की जगह पर मिट्टी डलवाकर रोड की मरम्मत कर रहे है। तो वहीं रोड पर बड़ी गाड़ीयों के निकलने पर मरम्मत किए गए रोड के गढ्ढे वैसे ही फिर हो जाते हैं।

बताते चलें कि जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील निघासन का झंडी मार्ग जो आये दिन अपनी दुर्दशा की वजह से सुर्खियों में रहता है। यह सम्पर्क मार्ग जो पनवारी सम्पर्क मार्ग के नाम से जाना जाता है। इतना बड़ा सम्पर्क मार्ग अपनी बदहाली की वजह से आज तक आँसू बहा रहा है। आये दिन ठेकेदारों द्वारा इस सड़क पर पेचिंग कर अच्छा रुपया पैदा किया जाता है तो वहीं मिट्टी नुमा मसाले की पेचिंग से चंद दिनों में सड़क जस की तस हो जाती है। कई बार शोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया पर भी इस सड़क के बदहाली की दास्तान लिखी गयी मगर संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नही रेंगी।

जब इस मार्ग की हालत बद से बदतर हो जाती है तो इस मार्ग के नसीब में आती है पेचिंग, जिसकी बदौलत ठेकेदार व संबंधित अधिकारी तो अपनी जेब गर्म कर लेते मगर सड़क को मानकविहीन मसालों से पेचिंग कर उसको फिर से उसकी ही दुर्दशा पर आंशू बहाने को छोड़ देते है। और संबंधित अधिकारी उस ठेकेदार की फाइल को बिना सड़क देखे ही पास कर देता है। प्रदेश के ईमानदार सन्यासी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस की नीति को पलीता लगा न जाने कितने बार मानक विहीन मसालों से पेचिंग कर ठेकेदार व उच्चाधिकारी अपनी जेबें गर्म कर चुके है।

अंकित का कद बढ़ा, बनाए गए भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

उन्नाव। भाजपा युवा मोर्चा कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष शिवांग मिश्रा ने भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील बजाज की संस्तुति से 16 की रात भाजपा कानपुर

उत्तर के सभी मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी। बताते चलें भाजपा में एक विधानसभा के अंतर्गत तीन या चार मंडल आते हैं। सीसामऊ विधानसभा के अंतर्गत आने वाला कौशलपुरी मंडल से अंकित मिश्राश्ऋतिकश को मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया गया है अंकित अभी तक मंडल के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत और कानपुर युवा उद्योग व्यापार मंडल श्याम बिहारी गुट से मंत्री पद पर भी है और पूर्व में बीएनएसडी इंटर कॉलेज से एबीवीपी का इकाई अध्यक्ष रहे। वही सीसामऊ विधानसभा के अंतर्गत राय पुरवा मंडल से शेखर मिश्रा और चुन्नी गंज मंडल से राहुल पासवान को पार्टी ने मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है,!

उन्नाव। ऑक्सीजन केयर प्लांट का लोकार्पण करते हुए माननीय सदस्य विधान परिषद श्री अरुण पाठक, जिलाधिकारी महोदय उन्नाव श्री रविंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी महोदय उन्नाव दिव्यांशु पटेल।

झंडी मार्ग पर चल रहे पेचिंग कार्य से आ रही भ्रष्टाचार की बू

रॉड मरम्मत के नाम पर पैसों का किया जाता है बंदर बॉट

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। जनपद में गड्ढा युक्त सड़कों पर ठेकेदार गड्ढों में पत्थर की जगह पर मिट्टी डलवाकर रोड की मरम्मत कर रहे है। तो वहीं रोड पर बड़ी गाड़ीयों के निकलने पर मरम्मत किए गए रोड के गढ्ढे वैसे ही फिर हो जाते हैं। बताते चलें कि जनपद

लखीमपुर खीरी की तहसील निघासन का झंडी मार्ग जो आये दिन अपनी दुर्दशा की वजह से सुर्खियों में रहता है। यह सम्पर्क मार्ग जो पनवारी सम्पर्क मार्ग के नाम से भी जाना जाता है। इतना बड़ा सम्पर्क मार्ग अपनी बदहाली की वजह से आज तक आँसू बहा रहा है। आये दिन ठेकेदारों द्वारा इस सड़क पर पेचिंग कर अच्छा रुपया पैदा किया जाता है तो वहीं मिट्टी नुमा मसाले से की गई पेचिंग चंद दिनों में सड़क जस की तस हो जाती है। कई बार शोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया पर भी इस सड़क के बदहाली की दास्तान लिखी गयी मगर संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नही रेंगी। जब इस मार्ग की हालत बद से बदतर हो जाती है तो इस मार्ग के नसीब में आती है पेचिंग, जिसकी बदौलत ठेकेदार व संबंधित अधिकारी तो अपनी जेब गर्म कर लेते मगर सड़क को मानकविहीन मसालों से पेचिंग कर उसको फिर से उसकी ही दुर्दशा पर आंशू बहाने को छोड़ देते है। और संबंधित अधिकारी उस ठेकेदार की फाइल को बिना सड़क देखे ही पास कर देता है। प्रदेश के ईमानदार सन्यासी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस की नीति को पलीता लगा न जाने कितने बार मानक विहीन मसालों से पेचिंग कर ठेकेदार व उच्चाधिकारी अपनी जेबें गर्म कर चुके है।

बच्चों की उपस्थिति में, प्रधानमंत्री का जन्म दिन भाजपा युवा मोर्चा नगर मंत्री मयंक शर्मा के द्वारा,बड़े धूम-धाम से मनाया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव(कोतवाली) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म पूरे भारत वर्ष में बड़ी धूम धाम से मनाया जा रहा है,जहाँ पर एक तरफ पार्टी के वरिष्ठ जन माननीय प्रधानमंत्री के जन्म दिन को विशेष बनाने की कोशिश कर रहे हैं,वंही पर युवा वर्ग भी पीछे नही रहा।हर जगह हर तरफ सिर्फ प्रधानमंत्री को ही युवा एक जन नायक के रूप में प्रदर्शित कर रहा है। इसी क्रम में आज उन्नाव में भाजपा युवा मोर्चा ने नगर मंत्री मयंक शर्मा के द्वारा नरेंद्र मोदी का जन्म दिन एक विशेष तरीके से मनाया गया। शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री का जन्म दिन उन्नाव कोतवाली के अंतर्गत आने वाले बाईपास के निकट रहने वाले मलिन बस्ती के बच्चों के बीच मनाया गया। इस कार्यक्रम में मंत्री द्वारा प्रधानमंत्री के द्वारा किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला गया। तथा उनके अभिभावकों के द्वारा यह संकल्प दिलाया गया कि पुनः प्रधानमंत्री के रूप में हम नरेंद्र मोदी को ही भारत वर्ष में लाएंगे। इसमें मुख्य रूप से अजय प्रताप,अभिषेक श्रीवास्तव,गोलू यादव,कपिल श्रीवास्तव,अक्षय आदि देव सविता एडवोकेट आदि सम्मानित जन उपस्थित रहे।

गुरुवार देर शाम तेज बारिश के बीच बड़े चौराहे पर किये गए डायवर्सन को यातायात अधिकारियों ने देखा

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए तैयार किया गया डायवर्सन ट्रैफिक के साथ ही भारी बारिश में कैसा चल रहा है। कहीं जलभराव के कारण वाहन सवारों को कोई दिक्कत तो नहीं है। अगर है तो डायवर्सन प्लान में क्या सुधार किया जाय। इन सारे बिंदुओं को देखने के लिए गुरुवार देर शाम तेज बारिश के बीच डीसीपी ट्रैफिक/वेस्ट जोन बीबीजीटीएस मूर्ति और डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार ने बड़े चौराहे पर किये गए डायवर्सन को देखा। निरिक्षण में सभी व्यवस्था दुरुस्त मिली। इस दौरान मर्चेंट चेंबर चौराहे पर तेज बारिश के बीच ट्रैफिक आरक्षी ध रमवीर सिंह ड्यूटी पर मुस्तैद मिले। इस पर डीसीपी ट्रैफिक/वेस्ट जोन बीबीजीटीएस मूर्ति ने धरमवीर को सम्मानित करने की घोषणा की। उन्हें शुक्रवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में बाघों की दहशत से भय का माहौल

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। बाघों के जंगल से निकलकर आबादी की और रुख करने की बात पर भी वन विशेषज्ञों को मन्थन करना होगा। अब तक इसके कारणों का पता तो नही लगाया जा सका, बल्कि अधिकारी अलग–अलग तर्क जरूर दे रहे हैं। आलम यह है कि बाघो को मांद से अधिक गन्ना पसंद आ रहा और इंसानी भोजन। ऐसे में जहां गांव वालों के खेतों पर काम ठप होते जा रहे है तो मजदूरी पर भी संकट आ गया है। लोग पेट पालने और जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए बाहर जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बाघों का कुनबा बढ़ रहा हैं। लेजर कैमरों की गणना का तो पूरी तरह से खुलासा नहीं किया जाता या फिर गणना ठीक नहीं होती। जंगल का एरिया छोड़कर बाघों ने आबादी और गन्ने को ही अपना ठिकाना मान लिया है।

बताते चलें कि जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील निघासन क्षेत्र में आलम यह है कि पिछले विगत

कुछ दिनों में लगभग 04 लोगों पर बाघ ने हमला कर घायल किया जिसमें 01 की मौत भी हो गयी। जंगल में बाघों की संख्या कितनी है और बाहर क्यों आ रहे हैं, इसको लेकर अधिकारी सही जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। दुधवा टाइगर रिजर्व में वैसे तो हर एक बात का अध्ययन होता है, लेकिन अब बाघों के बाहर आने की बात पर भी बाघ विशेषज्ञों को पड़ताल करनी होगी।

बाघों की इस आबादी की और अचानक बढ़ती चहलकदमी के पीछे कारणों को भी पता लगाना जरूरी है। बाघों की संख्या क्या है, इसका सही खुलासा न करना भी संदेह के दायरे में आ रहा है। कि कहीं पुराने ढर्रे पर होनी वाली कैमरों की गणना में ही तो खोट नहीं है। बाघों के खेतों पर आने से ग्रामीणों की दिनचर्या ढर्रे से उतर गई है। खेतों पर काम करना मौत के मुंह में काम करने के समान हो गया है और सभी खुद को सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। ऐसे में मजदूर तबके के लोगों के सामने परिवार का पेट पालना मुश्किल हो रहा है। परिवार को पालने और जान को सुरक्षित करने के लिए ग्रामीणों और मजदूरों को जिले से बाहर जाना मजबूरी बनती जा रही है। इतना सब होने के बाद भी शासन प्रशासन उनकी समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। आये दिन इंसानों पर बाघों के हमलों को वनविभाग भी गंभीरता से नही ले रहा जिसके चलते इन दिनों हर रोज ग्रामीण इलाकों में बाघों को देखा जाता है।

माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा जनपद सीतापुर द्वारा आयोजित प्रत्येक विधानसभा में कार्यक्रम

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। दिनांक 17/09/2021 को अल्पसंख्यक मोर्चा जनपद सीतापुर द्वारा समीर अहसन रिजवी जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा सीतापुर के निर्देशन में से जुड़ी योजनाओं के बारे में अवगत कराया सिधौली विधानसभा से जिला उपाध्यक्ष जफर हुसैन खान द्वारा लोगों के बीच मिठाई व फल का वितरण किया गया। महोली विधानसभा क्षेत्र में जिलाउपाध्यक्ष

अल्पसंख्यक मोर्चा के सभी पदाधिकारियों ने अपनी अपनी विधानसभाओं में माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष में सेवा भाव से अनेकों आयोजन कीए जिसमें मुख्यता महमूदाबाद विधानसभा से जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा नफीस अहमद द्वारा वैक्सीनेशन शिविर लगाया गया वा केले का वितरण किया गया जिसमें भारी संख्या में लोग जुड़े और उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के बीच जोड़ने का कार्य किया स्वेता विधानसभा से जिला उपाध्यक्ष हनीफ अहमद ने मोदी जी का कैंप लगाकर केले और बिस्किट का वितरण आम जनता के बीच किया और लोगों को अल्पसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यक मोर्चा जुनेद आलम द्वारा केक काटकर आदरणीय मोदी जी का जन्म दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मुस्तफाबाद से जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा सरदार तीरथ सिंह द्वारा लंगर लगाकर आम जनता के लिए मिठाई व पानी वहां पर एकत्रित जनसमूह को वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी गणों ने अपनी अपनी श्रद्धा अनुसार हर जगह अपने हिसाब से व्यवस्थाएं कर माननीय मोदी जी के जन्म दिवस पर अपने हर्षोल्लास के साथ अदा अनुसार बिस्किट फल मिठाई इत्यादि का वितरण किया। जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सीतापुर समीर अहसन रिजवी द्वारा वर्चुअल माध्यम से सभी विधानसभा में चल रहे कार्यक्रम की समीक्षा की गई और उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।समीर अहसन रिजवी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा एक नई ऊर्जा के साथ जिला सीतापुर में कार्य कर रहा है। रिजवी द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022में भारी मतों से भारतीय जनता पार्टी को विजई बनाने हेतु अल्पसंख्यक मोर्चा के समस्त पदाधिकारीयो से भरसक प्रयास किए जाने का अनुरोध किया गया।

कानपुर महानगर उत्तर के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर 517 दिव्यांगजनों एवं वृ)जनों को उनकी आवश्यकतानुसार निशुल्क उपकरण वितरण कर उन्हें लाभान्वित किया गया साथ ही 517 लोगों को वैक्सीनेटेड भी कराया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर महानगर उत्तर के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर 517 दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को उनकी आवश्यकतानुसार

निशुल्क उपकरण वितरण कर उन्हें लाभान्वित किया गया साथ ही 517 लोगों को वैक्सीनेटेड भी कराया गया।

यह एक संयोग ही है कि दिनांक 17 सितंबर को मोदी जी का 71 वां जन्मदिन है और आज भाजपा कानपुर महानगर उत्तर के अंतर्गत 517 दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को उनकी आवश्यकतानुसार निशुल्क उपकरण वितरण कर उन्हें लाभान्वित किया गया और इसकी लागत भी एक करोड़ 17 लाख है इसके साथ ही 517 लोगों को वैक्सीनेटेड भी कराया गया।

निशुल्क उपकरण वितरित प्रमुख रूप से कानपुर नगर सांसद सत्यदेव पचौरी उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नीलिमा कटियार विधायक सुरेंद्र मैथानी एवं भाजपा कानपुर उत्तर जिलाध्यक्ष सुनील बजाज के कर कमलों द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर महानगर उत्तर के तत्वाधान में गोल्डन पैलेस में आयोजित निशुल्क उपकरण वितरण एवं वैक्सीनेशन के विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा कानपुर महानगर प्रभारी विजय बहादुर पाठक क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष सुनील बजाज विधानसभा प्रभारी राधेश्याम पांडे महिला आयोग की सदस्य पूनम कपूर चिकित्सक प्रकोष्ठ के संयोजक अनुपमा जैन एवं उप नेता सदन सतेंद्र मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि भाजपा कानपुर महानगर प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने कहा कि हम सब को राजनीतिक कार्य के साथ सेवा कार्य का कार्य भी करना चाहिए जिसमें हम निरंतर सेवा ही संगठन के माध्यम से तत्पर हैं उन्होंने मंच से कहा कि आदरणीय मोदी जी की सेवा भाव की प्रेरणा से हम सब अभिभूत हैं और हम उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके लिए मंगलकामनाएं शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह ने कहा कि आज हमारे विश्व के नायक हम सब के प्रेरक हमारे यशस्वी आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के

जन्मदिन की उन्हें अपने कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करतें हैं। उन्होंने कहा कि आदरणीय मोदी जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आज भाजपा कानपुर महानगर उत्तर के इस वृहद सेवा कार्यक्रम के साथ साथ ही कार्यकर्ता स्वप्रेरणा से ही जिले स्तर से लेकर बूथ स्तर तक विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जो भी समाज सेवा के कार्य हो सकते हैं उन्हें करने का बीड़ा उठाया है और कार्यकर्ताओं उसे निरंतर कर रहे हैं।

संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील बजाज ने एवं संचालन जिला महामंत्री संतोष शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री वीरेश त्रिपाठी जितेंद्र शर्मा(राजू शर्मा)आकाश शुक्ला धर्म प्रकाश गुप्ता जन्मेजय सिंह अरविंद सिंह रोहित साहू मनुज गोयल प्रमोद त्रिपाठी रंजीता पाठक अनुपम मिश्रा अनूप अवस्थी सत्यम गुप्ता रिषी गुप्ता विनय पटेल पारस मदान शिवांग मिश्रा मो० जावेद नीरज गुप्ता कृष्णकांत सत्यम शुक्ला सुमित पावा राधा पांडे आदि उपस्थित रहे।

खंडहर के गिरने से फंस गई गाय, दो घण्टे तक चला,ग्रामीणों व पुलिस की मेहनत बच सकी गाय

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। भारी बारिश की वजह से खंडहर में तब्दील हो चुका सरकारी गोदाम बारिश में ढह गया। बरसात से बचने के लिए उसमें बैठी एक गाय फंस गई। जिसे ग्रामीणों व पुलिस की मदद से किसी तरह बाहर निकाला गया। मामला कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत बसालतपुर के लौदा डीहा का है, जहाँ वर्षों पहले सरकारी अनाज रखने के लिये बनाया गया गोदाम एकदम जर्जर हो चुका था। दो दिनों से हो रही बारिश के दौरान शुक्रवार की भोर अचानक गोदाम भरभरा कर गिर गया जिसमें बरसात से बचाव के लिये बैठे दर्जनों मवेशी तो किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग निकले लेकिन एक गाय उसी में फंस गई। भवन के गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय पुलिस को सूचित किया, ग्रामीणों व पुलिस की कड़ी मशक्कत व करीब 2 घंटे चले रेस्क्यू के बाद गाय को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। मौके पर उप निरीक्षक सुनील तिवारी,आरक्षी आलोक यादव, ग्रामीणों में परशुराम यादव, ननकू मिस्त्री, सत्यदेव, लव श्रीवास्तव, वीरेंद्र मिश्रा आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष २०२३ के परिप्रेक्ष्य में पोषण वाटिका महाअभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। दिनांक 17 सितम्बर, 2021दिन शुक्रवार को प्रातः 10.00 बजे से कृषि विज्ञान केंद्र अम्बरपुर सीतापुर पर किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य बच्चों महिलाओं एवं किसानों को पोषक अनाजों एवं मानव स्वास्थ्य में उनके महत्व तथा वृक्षारोपण के कृषि एवं कृषि अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के बारे में जागरूक करना है। इस अवसर पर एक गोष्ठी का का भी आयोजन किया जाएगा एवं प्रतिभागियों को पोषण वाटिका में रोपित करने हेतु उन्नतशील प्रजाति के अमरुद के पौधे एवं सब्जियों के बीज भी वितरित किया जाना है। यह कार्यक्रम इफको के सहयोग से किया जा रहा है तथा इसमें बाल विकास पुष्टाहार विभाग की इंचार्ज, सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां भी प्रतिभाग करेंगी।

शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी के बयान पर ली चुटकी, कहा- दीदी तो येड़ा बनकर पेड़ा खा रहीं

मुंबई, (वेब वार्ता)। राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी केस में मुंबई पुलिस ने करीब 1500 पन्नों की चार्जशीट दायर की है। इस सप्लीमेंट्री चार्जशीट में शिल्पा शेट्टी से लेकर शर्लिन चोपड़ा और उन तमाम लोगों के बयान हैं, जिनसे पुलिस ने इस मामले में पूछताछ की है। चार्जशीट में शिल्पा शेट्टी के बयान

का भी जिक्र है, जिसमें पुलिस पूछताछ के दौरान ऐक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें पति राज कुंद्रा की इन गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। शिल्पा का कहना है कि वह अपने काम में व्यस्त थीं और इसलिए यह नहीं जानतीं कि राज कुंद्रा क्या कर रहे थे। अब शर्लिन चोपड़ा ने एक वीडियो शेयर कर शिल्पा के इस बयान की हंसी उड़ाई है। शर्लिन ने इसे 'येड़ा बनकर पेड़ा खाना' कहा है। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को मुंबई की एक अदालत में यह चार्जशीट दायर की है।

शिल्पा के बयान पर कटाक्ष करते हुए शर्लिन ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह वर्कआउट कर रही हैं और शिल्पा को दीदी कह रही हैं। शर्लिन कहती हैं, 'कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दीदी का यह कहना है कि उन्हें अपने पति के कुख्यात गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। और तो और दीदी का यह भी कहना है कि उन्हें अपने पति की चल–अचल संपत्ति के स्रोत की भी जानकारी नहीं है। अब इस बात में कितनी सच्चाई है इसका अनुमान आप खुद लगा सकते हैं। वैसे इसे क्या कहते हैं कि येड़ा बनकर पेड़ा खानाकि है ना। पुलिस की चार्जशीट में शर्लिन चोपड़ा का बयान भी शामिल है। इसमें ऐक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि उन्होंने सौरभ कुशवाहा और राज कुंद्रा की कंपनी आर्म्स प्राइम प्राइवेट लिमिटेड को शर्लिन चोपड़ा ऐप बनाने का काम दिया था। लेकिन उन्हें कभी इसकी कमाई का हिस्सा नहीं मिला। शर्लिन ने अपने बयान में कहा है, 'मुझे कभी मेरी 50 फीसदी हिस्सेदारी नहीं दी गई। इसके बाद राज कुंद्रा ने मुझे हॉटशॉट्स ऐप में काम करने के लिए ऑफर दिया था। यह भी आर्म्स प्राइम प्राइवेट लिमिटेड का ही ऐप है। मुझे यह कहा गया कि हॉटशॉट्स के साथ काम करना बिल्कुल सही निर्णय होगा। बताया गया कि हॉटशॉट्स पर बोल्ड कॉन्टेंट होंगे। लेकिन हम इसको लेकर समझौते पर नहीं पहुंच सके।' शर्लिन ने अपने बयान में कहा है कि क्रिएटिव आइडियाज और पैसों के कारण यह डील नहीं हो पाई थी। शर्लिन ने अपने बयान में यह भी दावा किया है कि हॉटशॉट्स की क्रिएटिव डायरेक्टर मीता झुनझुनवाला ने उन्हें साथ में काम करने के लिए खूब मनाने की कोशिश की थी। यहां एक और बात का जिक्र जरूरी है। शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा के खिलाफ यौन शोषण का मामला पहले से दर्ज करवा रखा है। ऐक्ट्रेस का आरोप है कि राज कुंद्रा ने एक दिन उनके घर आकर उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। जब ऐक्ट्रेस ने उन्हें रोकने की कोशिश की और कहा कि वह शादीशुदा हैं तो कथित तौर पर राज ने शर्लिन से कहा कि उनके और शिल्पा शेट्टी के रिश्ते अच्छे नहीं हैं और वह घर पर अधिकतर समय परेशान रहते हैं।

प्रियंका चोपड़ा के शो 'द ऐक्टिविस्ट' पर हुआ बवाल तो ऐक्ट्रेस ने मांगी माफी, शेयर किया यह पोस्ट

मुंबई, (वेब वार्ता)। ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हाल ही सीरीज 'द ऐक्टिविस्ट' का हिस्सा बनीं, जिस पर खूब बवाल मचा हुआ है। अब मामला बढ़ता देख प्रियंका ने माफी मांग ली है। उन्होंने इस शो में हिस्सा लेने पर सॉरी कहा है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें प्रियंका ने लिखा है, 'पिछले कुछ हफ्तों में आपकी आवाज की पावर देखकर मैं हैरान रह गई हूं। ऐक्टिविजम को उसके कारण और प्रभावों से ताकत मिलती है। और जब लोग किसी चीज के बारे में आवाज उठाने के लिए एक साथ आते हैं, तो हमेशा एक प्रभाव होता है। आप सबकी आवाज सुन ली गई।'

प्रियंका ने आगे लिखा है, 'शो ने इसे गलत तरीके से लिया। मेरे इस शो का हिस्सा बनने से आप सबको जो दुख और निराशा हुई, उसके लिए मैं माफी मांगती हूं। हमारा इरादा कार्यकर्ताओं के विचारों और उनके द्वारा किए गए उन कामों के पीछे की मेहनत को सामने लाना था, जिन्हें वो सपॉर्ट करते हैं। मैं यह जानकर खुशी है कि इस नए फॉर्मैट में उनकी कहानियों को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। मैं ऐसे लोगों के साथ जुड़कर गर्व महसूस कर रही हूं जो जमीन से जुड़ी हुई चीजों

को समझते हैं और जानते हैं कि कब रुकना है और कब री–इवैलुएट करना है।'

बता दें कि 'द ऐक्टिविस्ट' एक ऐसा शो है, जिसमें ऐक्टिविस्ट अपने–अपने कामों को बढ़ावा देने के लिए एक–दूसरे के साथ कंपीट करते दिखेंगे। इसी फॉर्मैट के कारण प्रियंका चोपड़ा के इस शो की आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि इस शो का मकसद अलग–अलग ऐक्टिविस्टों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'द ऐक्टिविस्ट' को एक डॉक्युमेंट्री की तरह शूट किया जाएगा। इसमें 6 कंटेस्टेंट्स दो टीमें बनाकर अपने–अपने चौरिटेबल वर्क के लिए लड़ेंगे। इस सीरीज को प्रियंका चोपड़ा के अलावा जूलियन मूर और अशर होस्ट करेंगे।

'भूत पुलिस' का बनेगा सीक्वल, इन किरदारों में नजर आएंगे सैफ अली खान और अर्जुन कपूर

मुंबई, (वेब वार्ता)। सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, यामी गौतम और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर 'भूत पुलिस' को हाल ही में डिज्नी प्लास हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था। फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब खबर यह आ रही है कि फिल्म 'भूत पुलिस' की सफलता को देखते हुए जल्द ही फिल्म के प्रड्यूसर इसका सीक्वल बनाने की सोच रहे हैं। निर्माता रमेश तौरानी और निर्देशक पवन कृपलानी 'भूत पुलिस' को एक फ्रेंचाइजी में बदलने का प्लान बना रहे हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान और अर्जुन कपूर एक 'घोस्ट हंटर' के रूप में नजर आएंगे।

'पिंकविला' से खास बातचीत में निर्माता रमेश तौरानी ने कहा,'फिल्म 'भूत पुलिस' की सफलता को देखते हुए हम इसका सीक्वल बनाने जा रहे हैं। दर्शकों ने फिल्म को काफी ज्यादा प्यार दिया है और अब मैं अपनी टीम के साथ इसका दूसरा पार्ट बनाने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हूं।'

'भूत पुलिस' में विभूति और चिरौंजी के रूप में सैफ अली खान और अर्जुन कपूर ने जिस तरीके से भूतों से लड़ाई लड़ी उसे फैन्स ने काफी ज्यादा पसंद किया। अब जब 'भूत पुलिस' के सीक्वल बनने की खबर पक्की हो गई है, तो फैन्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार करेंगे इसमें कोई दो राय नहीं है।

अर्जुन कपूर और सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो दोनों ऐक्टरों के पास एक से बढ़कर एक फिल्म हैं। सैफ अली खान की आने वाली फिल्मों में 'आदिपुरुष', 'विक्रम वेधा' रीमेक शामिल हैं। ओम राउत द्वारा निर्देशित 'आदिपुरुष' की बात करें तो इस फिल्म में प्रभास, सनी सिंह और कृति सेनन नजर आएंगी। दूसरी ओर अर्जुन जल्द ही 'एक विलेन रिटर्न्स', 'अय्यप्पनम कोशियुम' रीमेक और अजय बहल की अगली फिल्म में भी दिखाई देंगे। वह आकाश भारद्वाज के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'कुत्ते' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, राधिका कुमुद मिश्रा, तब्बू और शार्दुल भारद्वाज के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

तुषार दलवी ने अपने भीतर के साईं बाबा को प्रसारित किया

मुंबई, (वेब वार्ता)। मेरे साईं श्रद्धा और सबूरी का चल रहा ट्रैक गोविंद रघुनाथ दाभोलकर या हेमादपंत की कहानी पर केंद्रित है, जो साईं सच्चरित्र के लेखक हैं और इसमें तुषार दलवी के साथ महेश ठाकुर हैं। तुषार शिरडी के साईं बाबा की भूमिका निभा रहे हैं। हेमादपंत की कहानी के बारे में बात करते हुए, तुषार दलवी ने आने वाले एपिसोड के बारे में कहा,

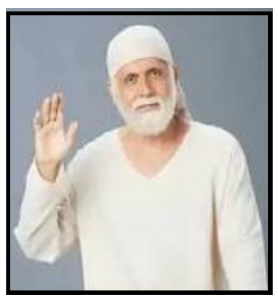

गोविंद रघुनाथ दाभोलकर एक बहुत ही विद्वान व्यक्ति थे जो पवित्र पुरुषों में विश्वास नहीं करते थे। फिर भी, दुःस्वप्न और बिच्छू व कीड़ों के भय से लगातार जागने की पीड़ा से साईं बाबा के कारण वह चमत्कारिक रूप से मुक्त हो गए। साईं हेमादपंत को यह अहसास कराते हैं कि दूसरों के प्रति दयालु होने की जरूरत है, ताकि मन का डर दूर हो जाए। वह आगे कहते हैं, दर्शकों को भी इससे सीख लेनी चाहिए, खासकर इसलिए कि भयानक महामारी ने हमें अपने आप में जकड़ लिया है और हम भूल गए हैं कि एक–दूसरे के प्रति दयालु कैसे रहें। अगर आपके पास दया और विश्वास है, तो आप करुणा के साथ दुनिया को देखें। मेरे साईं : श्रद्धा और सबूरी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

पोषण वाटिका महाअभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। शिशुओं, बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं अन्य महिला – पुरुषों में उचित पोषण ना मिलने के कारण हो रही समस्याओं को ध्यान में रखते

हुए बच्चों, महिलाओं एवं किसानों को पोषक अनाजों एवं मानव स्वास्थ्य में उनके महत्व तथा वृक्षारोपण का कृषि एवं कृषि अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के बारे में जागरूक करने के उददेश्य से पोषक अनाज वर्ष 2023 के परिप्रेक्ष्य में कृषि विज्ञान केंद्र अम्बरपुर, सीतापुर द्वारा पोषण वाटिका महाअभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को उदघाटन समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया तथा एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को पोषण वाटिका में रोपित करने हेतु उन्नतशील प्रजाति के अमरुद, कागजी नीबू के पौधे एवं इफको द्वारा प्रदत्त सब्जियों (सेम, गाजर, मूली, पालक एवं मेथी) के बीज की किट भी वितरित की गई। यह कार्यक्रम इफको के सहयोग से किया गया तथा इसमें बाल विकास पुष्टाहार विभाग की इंचार्ज, सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों तथा महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ0 सुरेश सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला तथा अपने सम्बोधन में कहा कि आजकल आहार में आवश्यक पोषक तत्वों का सन्तुलन न होने के कारण लोगों को खासकर बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं बुजुर्गों को नाना प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अतः सभी लोगों को उचित पोषण की जानकारी अति आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने विभिन्न पोषक फसलों की प्रजातियों एवं उनमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों एवं उनका संतुलित आहार में योगदान पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। डॉ सिंह ने पोषण वाटिका का निर्माण, उगाए जाने वाली सब्जियों, फलों, एवं अन्य फसलों की उत्पादन तकनीक, पोषण वाटिका का मानव स्वास्थ्य में योगदान, विभिन्न पोषक तत्वों का मानव स्वास्थ्य मे महत्व, वृक्षारोपण का कृषि एवं कृषि अर्थव्यवस्था मै योगदान पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया। इस कार्यक्रम मे इफको के मुख्य क्षेत्र प्रबंधक सीतापुर डॉ0 विनय मोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी लोगों को गोष्ठी में बताई जाने वाली बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर स्वयं भी अपनाना चाहिए तथा ज्यादा से ज्यादा लोगों में प्रचारित करना चाहिए जिससे अधिक लोगों को लाभ प्राप्त हो तथा कुपोषण, एनीमिया एवं पोषण तत्वों की कमी से होने वाली बीमारियों का सामना न करना पड़े। केन्द्र की गृह वैज्ञानिक ऋचा सिंह ने न्यूट्री गार्डेनरू पोषण गृह वाटिकाध छत पर बागवानी एवं संतुलित पोषण के लिए पोषण थाली के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की तथा उचित पोषण में पोषक तत्वों का महत्व, संतुलित आहार का आयोजन, एनीमिया व विटामिन्स की कमी से होने वाले रोगों एवं उनके निदान पर प्रकाश डाला एवं लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। केन्द्र के वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह, डॉ0 उमेश कुमार सिंह, अजय त्रिपाठी ने भी अपने वक्तव्य दिया। सुपरवाइजर मीना तिवारी ने बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित पोषण अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के परिसर में पौध रोपण भी किया गया तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण गृह वाटिका की प्रदर्शन इकाई तैयार करने के लिए अमरूद एवं नीबू के पौध एवं इफको द्वारा प्रदत्त पालक, गाजर, मूली, धनिया एवं मेथी के बीज की किट भी प्रदान की गई। अन्य महिला एवं पुरूष किसानों को भी पौध एवं बीज की किट वितरित की गई। इस अवसर पर प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी, सिधौली रीता मौर्या, सुपरवाइजर शैलेन्द्र एवं जयमाला इफको सिधौली के प्रभारी प्रभात, उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वकर्मा जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विश्वकर्मा जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कामना की कि देश प्रगति और समृद्धि की

नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। हर साल 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं और ग्रंथों के अनुसार भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन का देवता माना जाता है। उन्हें देवाताओं के शिल्पी के रूप में भी जाना जाता है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट किया, ''भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। देशवासियों पर देवशिल्पी की कृपा सदैव बनी रहे और हमारा देश प्रगति एवं समृद्धि की नित नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे।'' प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ''मन की बात'' की पिछली कड़ी में विश्वकर्मा जयंती के बारे में विस्तार से अपने विचार रखे थे। इस ट्वीट के साथ ही उन्होंने अपने इन विचारों के कुछ अंश भी साझा किए।

पोषण के साथ यौन व प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी भी किशोर-किशोरियों को होना जरूरी

इस बारे में स्वास्थ्य कर्मियों को किया गया प्रशिक्षित

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। एक किशोरी ही आगे चलकर माँ बनती है। इसलिए जरूरी है कि किशोरी को बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ ही यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के विषय में भी जानकारी प्रदान की जाये। परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों के बारे में भी बताया जाये। यह जानकारी परिवार कल्याण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिलाषा मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया– किशोर दृकिशोरियों को इस बात की जानकारी देना जरूरी है कि शादी के कम से कम दो साल बाद पहला बच्चा और दो बच्च्यों के बीच में कम से कम तीन साल का अंतर रखना आवश्यक है। इससे ही जच्चा और बच्चा स्वस्थ होंगे और खुशहाल परिवार की अवधारणा फलीभूत होगी।

डा. अभिलाषा ने बताया– इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए एएफएचएस (अर्श) काउंसलर और प्रजनन व मातृ–शिशु और किशोरद किशोरी स्वास्थ्य (आरएमएनसीएचए) काउंसलर को एक मंच पर लाकर पिछले दिनों प्रशिक्षण दिया गया। इसका मकसद यही था कि वह किशोर दृकिशोरियों को परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों के बारे में सही जानकारी दें क्योंकि बाँझपन और मातृ मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण असुरक्षित गर्भपात भी है। इसलिए अगर समय से किशोर–किशोरियों को सही जानकारी दी जाये तो आगे चलकर वह सही निर्णय लेंगे और इस तरह की समस्या का समाधान आसानी से कर लेंगे। इसके साथ ही किशोरों को इस बात के लिए मानसिक रूप से तैयार भी करना है कि सुखी परिवार के लिए केवल महिला ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि उनकी भी बराबर की जिम्मेदारी है।

नोडल अधिकारी ने बताया–स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन से संबंधित अपने मूलमंत्र आपदा में भी परिवार नियोजन की तैयारी–सक्षम राष्ट्र और परिवार की पूरी जिम्मेदारी, को अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिला चिकित्सालयों और ब्लॉक सीएचसी सहित जिले भर से अर्श काउंसलर और परिवार नियोजन काउंसलर ने प्रतिभाग किया, जिसमें उत्तर प्रदेश तकनीकी सहयोग इकाई (यूपीटीएसयू) के प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

विशाल भारद्वाज की फिल्म में फिर काम करेंगी तब्बू

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू फिल्मकार विशाल भारद्वाज की फिल्म में फिर काम

करती नजर आ सकती हैं। तब्बू इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। विशाल भारद्वाज ने अपनी आने वाली फिल्म में तब्बू को कास्ट कर लिया है। तब्बू की यह विशाल के साथ तीसरी फिल्म होगी। उन्होंने इससे पहले विशाल के साथ 'मकबूल' और 'हैदर' में साथ काम किया था। बताया जा रहा है कि यह एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फिल्म की कहानी सुनते ही तब्बू इस फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो गईं। इस फिल्म में तब्बू के साथ अली फजल को भी साइन कर लिया गया है। इस फिल्म की कहानी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग से जुड़ी हुई है। फिल्ममेकर ने मसूरी लोकेशन को शूटिंग के लिए फाइनल भी कर लिया है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

झमाझम बारिश से कुरसौली गांव में बढ़ा वायरल का खतरा, अधिकारियों संग पहुंचे जिलाधिकारी

कुरसौली में अब तक 10 लोगों की वायरल और डेंगू से हो चुकी है मौत

कानपुर, (वेब वार्ता)। मौसम के बदले मिजाज से जनपद में डेंगू और वायरल लगातार पांव पसार रहा है। इधर तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश से अधिकारियों के माथे पर पसीना ला दिया है कि कहीं यह वायरल और विकराल रुप धारण न कर लें।

इसी के तहत अधिकारियों संग जिलाधिकारी आलोक तिवारी जनपद के सबसे अधिक वायरल से प्रभावित गांव कुरसौली पहुंच गये। जिलाधिकारी ने बुखार से पीड़ित मरीजों का हालचाल जानने के बाद निर्देश दिया कि एक भी बुखार पीड़ित गांव में नहीं रहना चाहिये और सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाये। इस गांव में अब तक 10 लोगों की मौत डेंगू और बुखार से हो चुकी है और ऐसा कोई घर नहीं है जिसके परिवार में किसी न किसी को बुखार न आ रहा हो। जिलाधिकारी आलोक तिवारी जनपद के कल्याणपुर ब्लाक के कुरसौली गांव में डेंगू मलेरिया के मरीजों की बढ़ती संख्या को लेकर अधिकारियों संग गांव पहुंच गये और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मरीजों से सीधे संवाद स्थापित किया। बुखार से पीड़ित 66 वर्षीय चन्द्रशेखर तिवारी के घर पहुंचकर उनका हाल जाना और उनके तत्काल हैलेट में भर्ती कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि गांव के एक–एक व्यक्तियों की जांच कराए जाए। जिन भी व्यक्तियों को बुखार है उन सभी की डेंगू की जांच कराई जाए। इसके अतिरिक्त समस्त गांवों में टीम लगाकर उन लोगों की भी जांच कराई जाए जिन्हें बुखार आ रहा है।

उन्होंने कहा कि एमओआईसी यह सुनिश्चित कराए की गांव में एक भी डेंगू, मलेरिया से मश्त्यु न हो यदि कोई मश्त्यु होती है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जायेगी। साथ ही लापरवाही मिलती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। सचिव, लेखपाल यह सूची बनाएं कि किस गांव में कितने लोग बीमार है, उन्हें क्या समस्या है सूची बनाकर उन सभी लोगों की जांच सीएमओ करवाएं, जिसकी प्रत्येक घण्टे मॉनिटरिंग भी की जाती रहे। यदि किसी भी गांव में एक भी बुखार से मश्त्यु होती है और उसकी सूचना उनके पास नहीं होगी तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

शासन के निर्देशों का अक्षरता से पालन सुनिश्चित कराया जाए। इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ भी कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी नगर अतुल कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. नेपाल सिंह और उप जिलाधिकारी सदर आदि उपस्थित रहें।

प्रयागराज: 71 किसानों को सम्मानित करके मनाया गया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

प्रयागराज, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्म दिन के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल के नेतश्त्व में 71 किसानों को प्रधानमंत्री पोर्टट चित्र एवं अंगवस्त्र देकर जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा संजय श्रीवास्तव ने शिवनगर में सम्मान देकर खुशी मनाया। इस अवसर पर विशेष रुप से उपस्थित सरदार पतविंदर सिंह अल्पसंख्यक मोर्चा काशी प्रांत उपाध्यक्ष,मंडल प्रभारी, सामाजिक कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर किसानों को सम्मान करने के अवसर को सौभाग्य शाली बताया। साथ ही उन्होंने भगवान विश्वकर्मा जयंती की बधाईयां उपस्थित जनमानस को दी। प्रधान मंत्री के जन्म दिन के उपलक्ष्य में महेंद्र कुमार शर्मा, कुलदीप विश्वकर्मा, नीरज शर्मा,सुनील विश्वकर्मा, जनार्दन,सुशील वर्मा, दलजीत कौर, हरमन जी सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन पर खुशी का इजहार किया। सम्मानित होने वालों कृषक शंकर लाल यादव , पूर्व प्रधानाचार्य श्याम नारायण कृषक सहित 71 किसान अपने आपको गौरवांवित महसूस कर रहें है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।